[This question paper contains 12 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 1651 **H**

Unique Paper Code : 12277606

Name of the Paper : Money & Financial Markets

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Economics**

Semester : VI

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt any **Five** questions.
3. The distribution of the marks is given with the question.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

P.T.O.

3. अंकों का वितरण प्रश्न के साथ दिया गया है ।

4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. (a) Enumerate the new Monetary and Liquidity aggregates. Explain how they are differentiated not on the basis of attributes of the instruments but on the nature and functions of the institutions issuing such instruments?

(b) Discuss the statement that "Complete Currency multiplier determines how much currency holdings increase due to change in monetary base".

(9+6)

(क) नए मौद्रिक और तरलता समुच्चय के बारे में एक एक कर बताएं। समझाएं कि उन्हें उपकरणों की विशेषताओं के आधार पर नहीं बल्कि ऐसे उपकरणों को जारी करने वाली संस्थाओं की प्रकृति और कार्यों के आधार पर कैसे विभेदित किया जाता है?

(ख) इस कथन पर चर्चा करें कि "पूर्ण मुद्रा गुणक यह निर्धारित करता है कि मौद्रिक आधार में परिवर्तन के कारण कितनी मुद्रा धारिता बढ़ती है"।

2. (a) (i) Explain briefly how the money multiplier can be made invariant to changes in cash reserve requirement?

(ii) What happens when banks resort to discretionary finance from the Central bank and maintain excess reserves?

(b) Using the money multiplier approach, explain the money supply response to changes in the following variables

(i) Fall in (C/DD) ratio

(ii) Fall in (TD/DD) ratio

(iii) Decline in reserve ratio

(c) Consider the following data :

Required reserve ratio = 0.20

Excess reserve ratio = 0.05

Deposits = Rs. 400 Billion

(i) What are the total banking system reserves (required + excess)?

(ii) The Central Bank cuts the required reserve ratio from 0.20 to 0.15 in order to augment the liquidity in the system. What will be the new level of total reserves?

(iii) If the deposits increase from Rs. 400 Billion to Rs 500 billion, what is the amount of incremental reserves the banking system needs to maintain the initial required reserve ratio of 0.20? (6+3+6)

(क) (i) संक्षेप में व्याख्या कीजिए कि किस प्रकार मुद्रा गुणक को नकद आरक्षित आवश्यकता में परिवर्तन के लिए अपरिवर्तनीय बनाया जा सकता है?

(ii) क्या होता है जब बैंक केंद्रीय बैंक से विवेकाधीन वित्त का सहारा लेते हैं और अतिरिक्त भंडार बनाए रखते हैं?

(ख) मुद्रा गुणक दृष्टिकोण का उपयोग करते हुए, निम्नलिखित चरों में परिवर्तन के लिए मुद्रा आपूर्ति प्रतिक्रिया की व्याख्या करें

(i) (C/DD) अनुपात में गिरावट

(ii) (TD/DD) अनुपात में गिरावट

(iii) आरक्षित अनुपात में गिरावट

(ग) निम्नलिखित आंकड़ों पर विचार करें :

आवश्यक आरक्षित अनुपात = 0.20

अतिरिक्त आरक्षित अनुपात = 0.05

जमा = 400 अरब रुपये

(i) कुलबैंकिंग प्रणाली भंडार (आवश्यक + अतिरिक्त) क्या हैं?

(ii) तंत्र में तरलता बढ़ाने के लिए केंद्रीय बैंक आवश्यक आरक्षित अनुपात को 0.20 से घटाकर 0.15 कर देता है। कुल भंडार का नया स्तर क्या होगा?

(iii) यदि जमा राशि 400 अरब रुपये से बढ़कर 500 अरब रुपये होता है, बैंकिंग प्रणाली को 0.20 के प्रारंभिक वांछित आरक्षित अनुपात को बनाए रखने के लिए आवश्यक वृद्धिशील भंडार की राशि क्या है?

3. (a) "Equity contracts are subject to a particular type of moral hazard called Principal-Agent problem". Discuss the above statement and the tools to solve Principal-Agent Problem.

(b) Consider a put option for a unit of Asset ABC with a strike price of Rs. 150. If the option price is Rs. 5 and the current price is Rs. 150, contrast the long put position with the short put position using a table and graphs. (7+8)

(क) "इक्विटी अनुबंध एक विशेष प्रकार के नैतिक खतरे के अधीन हैं जिसे प्रिंसिपल-एजेंट समस्या कहा जाता है"। उपरोक्त कथन और प्रिंसिपल-एजेंट समस्या को हल करने के लिए उपकरणों पर चर्चा करें।

(ख) 150 रुपये के स्ट्राइक मूल्य के साथ परिसंपत्ति ABC की एक इकाई के लिए एक पुट विकल्प पर विचार करें। यदि विकल्प मूल्य 5 रुपये और वर्तमान मूल्य 150 रुपये है, तालिका और आरेख का उपयोग करते हुए शॉर्ट पुट पोजीशन के साथ लॉन्ग पुट पोजीशन की तुलना करें।

4. (a) As the market interest rate falls, the price of a debt instrument sold on discount basis rises. Discuss the statement with a suitable illustration and diagram.

(b) Distinguish between discount yield and yield to maturity? Which is a better measure and why? Calculate the discount yield and yield to maturity

of treasury bills that matures in 365 days with a face value of Rs. 10,000 at the following purchase prices.

(i) Rs. 9500

(ii) Rs. 9000 (7+8)

(क) जैसे ही बाजार की ब्याज दर गिरती है, छूट के आधार पर बेचे गए ऋण विलेख की कीमत बढ़ जाती है। उपयुक्त उदाहरण और आरेख के साथ कथन पर चर्चा करें।

(ख) डिस्काउंट प्रतिफल और परिपक्वता प्रतिफल के बीच अंतर बताएं? कौन सा उपाय बेहतर है और क्यों? 10,000 रुपये के अंकित मूल्य के साथ 365 दिनों में परिपक्व होने वाले ट्रेजरी बिलों के लिए निम्नलिखित खरीद मूल्यों पर डिस्काउंट प्रतिफल और परिपक्ता प्रतिफल की गणना करें।

(i) 9500 रुपये

(ii) 9000 रुपये

5. (a) Using the loanable funds theory, discuss the statement "the default risk premium can be illustrated by the difference between the interest rate for risky loans and the interest rate for default free loans".

(b) Determine the short and long term interest rates under segmented market hypothesis. What is the rationale for the hypothesis? (9+6)

(क) ऋण योग्य निधि सिद्धांत का उपयोग करते हुए, "डिफॉल्ट जोखिम प्रीमियम को जोखिम भरे ऋणों के लिए ब्याज दर और डिफॉल्ट मुक्त ऋणों के लिए ब्याज दर के बीच के अंतर से स्पष्ट किया जा सकता है" कथन पर चर्चा करें।

(ख) खंडित बाजार परिकल्पना के तहत छोटी और लंबी अवधि की ब्याज दरों का निर्धारण करें। परिकल्पना का औचित्य क्या है?

6. (a) In India, banks are the main conduits through which monetary impulses are transmitted to the real economy. In this context review the bank's lending rate system since the early 90s.

(b) Compare and contrast the policy response to the banking crisis that started in 1997 and in the aftermath of 2008 Global financial crisis?

(9+6)

(क) भारत में, बैंक मुख्य साधन हैं जिनके माध्यम से मौद्रिक आवेगों को वास्तविक अर्थव्यवस्था में संचारित किया जाता है। इस संदर्भ में 90 के दशक की शुरुआत से बैंक की उधार दर प्रणाली की समीक्षा करें।

(ख) 1997 में शुरू हुए बैंकिंग संकट और 2008 के वैश्विक वित्तीय संकट के बाद के बैंकिंग संकट के विरुद्ध नीति प्रतिक्रिया की तुलना और अंतर करें।

7. (a) Explain the goals and instruments of monetary policy in India.

(b) What is flexible inflation targeting in India? Discuss the Operating framework of monetary policy under flexible inflation targeting in India. (6+9)

(क) भारत में मौद्रिक नीति के लक्ष्यों और साधनों की व्याख्या कीजिए।

(ख) भारत में लचीला मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण क्या है? भारत में लचीले मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण के तहत मौद्रिक नीति के परिचालन ढांचे पर चर्चा करें।

8. (a) What is unconventional monetary policy? Discuss the key features of the unconventional monetary policy measures and their applications in India.

(b) Explain how Lags can be a constraint in monetary policy making. (9+6)

(क) अपरंपरागत मौद्रिक नीति क्या है? अपरंपरागत मौद्रिक नीति उपायों की प्रमुख विशेषताओं और भारत में उनके अनुप्रयोगों पर चर्चा करें।

(ख) स्पष्ट करें कि मौद्रिक नीति निर्माण में मंदगति कैसे एक बाधा हो सकता है।